चल पड़ी चीनी मिलें, उत्पादन में कमी का अनुमान

15 फीसद कमी के अनुमान के साथ चालू सीजन में उत्पादन का पहला आंकड़ा जारी

111 मिलें इस बार नहीं हो सकीं चालू, पिछले साल के चीनी सीजन के मुकाबले

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : पेराई सीजन शुरू होने के साथ देश के सभी गन्ना उत्पादक राज्यों में चीनी मिलें चल पड़ी हैं। चालू सीजन में अब तक सिर्फ 238 मिलों में पेराई शुरू हुई है, जबकि पिछले सीजन में अब तक 349 मिलों में पेराई चालू हो चुकी थी। चालू सीजन में चीनी उत्पादन का पहला आंकड़ा जारी किया गया है, जिसके मुताबिक पिछले साल के मुकाबले 15 फीसद की कमी दर्ज की गई है।

चीनी उद्योग संगठन इस्मा द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 15 नवंबर तक कुल 11.63 लाख टन चीनी का उत्पादन किया गया, जबकि पिछले साल की इसी अवधि तक 13.73 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका था। इस्मा ने अक्तूबर में जो अनुमान जारी किया था, उसके मुताबिक चालू चीनी वर्ष (अक्टूबर,2018-सितंबर,2019) में चीनी का कुल उत्पादन 315 लाख टन होगा, जो पिछले पेराई सीजन से 10 लाख टन कम है। इस वर्ष जुलाई में इस्मा ने चालू पेराई सीज़न के लिए 355 लाख टन चीनी उत्पादन का अनुमान लगाया था।

दरअसल, चीनी उत्पादन के आंकड़ों में संशोधन 80 फीसद चीनी का उत्पादन करने वाले प्रमुख राज्यों में गन्ने की फसल पर पड़े बुरे प्रभाव को देखते हुए किया गया। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक में बारिश और कुछ बीमारियों के प्रकोप के चलते फसलों के खराब होने की आशंका है। पेराई सीजन शुरू हुए डेढ़ महीने बीत चुके हैं, लेकिन अभी भी 111 मिलों में गन्ना नहीं पहुंचा है। गन्ने का बकाया भुगतान नहीं होने के चलते उत्तर प्रदेश में चीनी मिलें देर से शुरू हुई हैं। पिछले साल के 78 मिलों के मुकाबले चालू सीजन में अभी तक केवल 38 मिलों में ही पेराई शुरू हो पाई है। राज्य में 15 नवंबर तक कुल 1.76 लाख टन चीनी का उत्पादन हो सका है, जबकि पिछले साल अब तक 5.67 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका था।

महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन पिछले साल के 3.26 लाख टन के मुकाबले चालू सीजन में 6.31 लाख टन तक पहुंच गया है। राज्य की 160 मिलों के मुकाबले 108 मिलें शुरू हो चुकी हैं।

Dainik Jagran

20/11/2018